पाठ्यक्रम

हिन्दू धर्मशास्त्र

HRS

(सेमेस्टर एवं प्राइवेट fo|fFk;k के लिए)

(2014 - 2015)

हिन्दी विभाग
मानविकी एवं भाषा संकाय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया : परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना 1920 में अलीगढ़ में हुई थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार }kj{k चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्रहित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैख़ुलहिन्द मौलाना महमूद हसन, मौलाना मोहम्मद अली, हकीम अजमल ख़ां, डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी, अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डॉ. ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन लोगों ने न केवल जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की, बल्कि इस चमन को अपने ख़ून-पसीने से सींच कर आबाद भी किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया 1925 में अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गई। तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारम्परिक जड़ों को मज़बूत किया जाए। जामिया ने इसका हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहास, उसकी संस्कृति तथा इस्लाम के इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में

इस्लाम की शिक्षा के साथ-साथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म और संस्कृति जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम सम्बंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा दी जाए और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जामिया के छात्र व्यक्तिगत रुचि के पाठ्यक्रमों को पढ़ते हुए भी सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध से वंचित न हों। दूसरे विश्वविद्यालयों की तरह जामिया ने भी तकनीकी शिक्षा, बी.डी.एस, फिजियोथेरेपी, इंजीनियरिंग, कॉमर्स, फ़ाइन vkV l, जनसंचार, सूचना तकनीक तथा विस्तार शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहाँ एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा थर्ड वर्ल्ड स्टडीज़ एवं अध्ययन के विभिन्न केन्द्रों की भी स्थापना की गई है।

जामिया में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से उर्दू, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य उच्च ज्ञान के स्रोत को ज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के साथ जोड़ना है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों तथा शिक्षकों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की सदैव कोशिश करता है। कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

(क) शिक्षा में नवीनता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर पाठ्यक्रमों में फेरबदल। पढ़ाने के नये-नये तरीक़े तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल।
(ख) विभिन्न अनुशासनों में शिक्षा।
(ग) अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन।
(घ) राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता तथा अंतर्राष्ट्रीय समझ।

हिन्दी विभाग : संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिन्दी का पठन-पाठन विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही आरंभ हो गया था। जामिया के संस्थापकों ने हिन्दी भाषा के शिक्षण को यथोचित महत्व दिया। एक लंबे समय तक यहाँ स्नातक स्तर पर ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन-अध्यापन होता रहा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने से कुछ वर्ष पूर्व 1983 में यहाँ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। एम. ए. के पाठ्यक्रम में शुरू से ही जनसंचार तथा रचनात्मक लेखन को महत्व दिया गया और रचनात्मक लेखन एवं पत्रकारिता को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का यह पहला पाठ्यक्रम था। सन् 1994 में विभाग में जनसंचारपरक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया गया। इसकी सफलता को देखते हुए सन् 2001 में हिन्दी विभाग में टी. वी. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। सम्प्रति हिन्दी विभाग में इन दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा बी. ए. ऑनर्स मास मीडिया (हिन्दी), एम. ए. और एम. फिल् का अध्ययनअध्यापन हो रहा है। सन् 1985 से निरंतर यहाँ शोध-कार्य (पीएच. डी.) भी हो रहा है। विभाग साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन सम्बंधी शोध कार्यों को प्रोत्साहन देता है। हिन्दी विभाग में जामिया का एक अनिवार्य पाठ्यक्रम 'हिन्दू धर्म शास्त्र' भी पढ़ाने की व्यवस्था है।

विभाग के अनेक सदस्य विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं तथा विदेशों में भी हिन्दी अध्यापन का कार्य कर चुके हैं।

विभागीय सदस्य

1. प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्त (अध्यक्ष), एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
2. प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
3. प्रो. हेमलता महिश्वर, एम.ए., बी. एड., एम.फिल्., पीएच. डी. (गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर)
4. डॉ. कृष्ण कुमार कौशिक, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
5. डॉ. अनिल कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
6. डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
7. डॉ. चन्द्रदेव सिंह यादव, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
8. डॉ. नीरज कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
9. डॉ. कहकशां एहसान साद, एम.ए., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
10. डॉ. विवेक दुबे, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
11. डॉ. दिलीप कुमार शाक्य, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

12. डॉ. अब्दुर्रहमान मुसव्विर, एम. ए., एम. एड., पी.जी. डिप्लोमा मास मीडिया, एम. फिल्., पीएच. डी., (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
13. डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
14. डॉ. अजय कुमार नावरिया, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम.

सत्र 1

पाठ्यक्रम-1 **हिन्दू धर्मशास्त्र** **पूर्णांक : 100**

इकाई 1 **हिन्दू धर्म ग्रंथों का सामान्य परिचय**
वेद
उपनिषद
पुराण

इकाई 2 **उत्तर वैदिक धर्म और संस्कृति**
रामायण कालीन संस्कृति और समाज
महाभारत कालीन संस्कृति और समाज
गीता-दर्शन

इकाई 3 **मध्यकालीन समाज और भक्ति का स्वरूप**
भक्ति आंदोलन
निर्गुण भक्ति
सगुण भक्ति

इकाई 4 **आधुनिक समाज सुधार आंदोलन**
ब्रहम समाज
आर्य समाज
रामकृष्ण मिशन

(बी.ए. प्रोग्राम के लिए यह प्रश्न पत्र 75+25 अंकों का होगा)

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	भारतीय संस्कृति की कहानी	भगवत शरण उपाध्याय
2.	संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह दिनकर
3.	हिन्दू धर्मशास्त्र	डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा
4.	भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेम शंकर
5.	History of Indian Philosophy, Vol I, II	Dr. S. Radhakrishanan
6.	Ramayana	C. Lal
7.	Mahabharta	C. Lal
8.	भारतीय दर्शन	बलदेव उपाध्याय
9.	भारतीय चिंतन परम्परा	के. दामोदरन
10.	भारतीय दर्शन	वाचस्पति गैरोला

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम.

सत्र 2

पाठ्यक्रम 2 हिन्दू धर्मशास्त्र पूर्णांक : 100

इकाई- 1 **प्राचीन भारतीय दर्शन**

आस्तिक दर्शन

नास्तिक दर्शन

वेदांत की शाखाएं

इकाई- 2 **उत्तर वैदिक भारतीय दर्शन**

जैन धर्म

बौद्ध धर्म

बौद्ध धर्म के विभिन्न सम्प्रदाय

इकाई- 3 **मध्यकालीन धर्म-दर्शन**

सूफी सिद्धांत

विभिन्न सूफी सम्प्रदाय

सिक्ख धर्म

इकाई- 4 **आधुनिक समाज सुधारक**

विवेकानंद

ऐनी बेसेंट

महात्मा गांधी

(बी.ए. प्रोग्राम के लिए यह प्रश्न पत्र 75+25 अंकों का होगा)

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	भारतीय संस्कृति की कहानी	भगवत शरण उपाध्याय
2.	संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह दिनकर
3.	हिन्दू धर्मशास्त्र	डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा
4.	भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेम शंकर
5.	History of Indian Philosophy, Vol I, II	Dr. S. Radhakrishanan
6.	Ramayana	C. Lal
7.	Mahabharta	C Lal
8.	भारतीय दर्शन	डॉ. शोभा निगम
9.	सिक्ख गुरुओं का पुण्य स्मरण	हजारी प्रसाद द्विवेदी
10.	भारतीय चिंतक परंपरा	के दामोदरन
11.	वैदिक साहित्य एवं संस्कृति	डॉ. कपिल देव द्विवेदी

हिन्दू धर्म-शास्त्र

(प्राइवेट f0|fFk;k के लिए)

पाठ्यक्रम **हिन्दू धर्मशास्त्र** **पूर्णांक : 100**

इकाई 1 **हिन्दू धर्म-ग्रंथों का सामान्य परिचय**
वेद, वेदांग
उपनिषद, पुराण, स्मृति

इकाई 2 रामायण, महाभारत - संस्कृति और समाज
गीता-दर्शन और आधुनिक युग में उसकी उपादेयता

इकाई 3 भारतीय दर्शन - परिभाषा, आस्तिक, नास्तिक दर्शन (संक्षिप्त परिचय)
वेदांत की शाखाएँ

इकाई 4 **भक्ति आन्दोलन और धार्मिक मान्यताओं पर उसका प्रभाव**
सूफ़ी सिद्धांत और भक्ति - धार्मिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान
बौद्ध, जैन और सिक्ख धर्म की मुख्य मान्यताएँ

इकाई 5 **आधुनिक कालीन समाज सुधार आन्दोलन एवं सुधारक**
ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज
स्वामी विवेकानन्द, स्वामी रामतीर्थ, रामकृष्ण परमहंस, महात्मा गांधी, नारायण गुरू
धर्म और आधुनिक समाज

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।)

अनुमोदित ग्रंथ :

1. विश्व धर्म दर्शन	सांवलिया बिहारीलाल वर्मा
2. भारतीय संस्कृति की कहानी	भगवत 'kj.k उपाध्याय
3. संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह 'दिनकर'
4. तसव्वुफ़ अथवा सूफ़ीमत	चन्द्रबली पाण्डेय
5. भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेमशंकर
6. भक्ति आंदोलन और लोकजीवन	शिवकुमार
7. हिन्दू धर्मशास्त्र	डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा
8. History of Indian Philosophy, Vol I, II	Dr. S. Radhakrishanan
9. Ramayana	C. Lal
10. Mahabharta	C. Lal
11. Indian Philosophy	Dr. R. N. Sharma
12. Religion & Philosophy	Dr. Vatsyayana